## रविवार 29 नवंबर, 2026

## विषय — प्राचीन और आधुनिक काला जादू, उपनाम कृत्रिम निद्रावस्था और सम्मोहन

## स्वर्ण पाठ: मत्ती 10: 16

"सो सांपों की नाईं बुद्धिमान और कबूतरों की नाईं भोले बनो।"

## उत्तरदायी अध्ययन: अय्यूब 22: 21

**नीतिवचन 3: 5, 6, 23-25**

**लूका 21: 15**

21 उस से मेलमिलाप कर तब तुझे शान्ति मिलेगी; और इस से तेरी भलाई होगी।
5 तू अपनी समझ का सहारा न लेना, वरन सम्पूर्ण मन से यहोवा पर भरोसा रखना।
6 उसी को स्मरण करके सब काम करना, तब वह तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा।
23 और तू अपने मार्ग पर निडर चलेगा, और तेरे पांव में ठेस न लगेगी।
24 जब तू लेटेगा, तब भय न खाएगा, जब तू लेटेगा, तब सुख की नींद आएगी।
25 अचानक आने वाले भय से न डरना, और जब दुष्टों पर विपत्ति आ पड़े, तब न घबराना।
15 क्योंकि मैं तुम्हें ऐसा बोल और बुद्धि दूंगा, कि तुम्हारे सब विरोधी साम्हना या खण्डन न कर सकेंगे।

## पाठ उपदेश

### बाइबल

### 1. नीतिवचन 6: 20-22

20 हे मेरे पुत्र, मेरी आज्ञा को मान, और अपनी माता की शिक्षा का न तज।
21 इन को अपने हृदय में सदा गांठ बान्धे रख; और अपने गले का हार बना ले।
22 वह तेरे चलने में तेरी अगुवाई, और सोते समय तेरी रक्षा, और जागते समय तुझ से बातें करेगी।

### 2. भजन संहिता 91: 9, 10

9 हे यहोवा, तू मेरा शरण स्थान ठहरा है। तू ने जो परमप्रधान को अपना धाम मान लिया है,
10 इसलिये कोई विपत्ति तुझ पर न पड़ेगी, न कोई दु: ख तेरे डेरे के निकट आएगा॥

### 3. नहेमायाह 1: 1 (से *1st* .), 11 (मैं था)

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

1 हकल्याह के पुत्र नहेमायाह के वचन।
11 मैं तो राजा का पियाऊ था।

## 4. नहेमायाह 2: 1-5, 8 (और यह), 19, 20

1 अर्तक्षत्र राजा के बीसवें वर्ष के नीसान नाम महीने में, जब उसके साम्हने दाखमधु था, तब मैं ने दाखमधु उठा कर राजा को दिया। इस से पहिले मैं उसके साम्हने कभी उदास न हुआ था।
2 तब राजा ने मुझ से पूछा, तू तो रोगी नहीं है, फिर तेरा मुंह क्यों उतरा है? यह तो मन ही की उदासी होगी।
3 तब मैं अत्यन्त डर गया। और राजा से कहा, राजा सदा जीवित रहे! जब वह नगर जिस में मेरे पुरखाओं की कबरें हैं, उजाड़ पड़ा है और उसके फाटक जले हुए हैं, तो मेरा मुंह क्यों न उतरे?
4 राजा ने मुझ से पूछा, फिर तू क्या मांगता है? तब मैं ने स्वर्ग के परमेश्वर से प्रार्थना कर के, राजा से कहा;
5 यदि राजा को भाए, और तू अपने दास से प्रसन्न हो, तो मुझे यहूदा और मेरे पुरखाओं की कबरों के नगर को भेज, ताकि मैं उसे बनाऊं।
8 मेरे परमेश्वर की कृपादृष्टि मुझ पर थी, इसलिये राजा ने यह बिनती ग्रहण किया।
19 यह सुनकर होरोनी सम्बल्लत और तोबियाह नाम कर्मचारी जो अम्मोनी था, और गेशेम नाम एक अरबी, हमें ठट्ठों में उड़ाने लगे; और हमें तुच्छ जान कर कहने लगे, यह तुम क्या काम करते हो।
20 क्या तुम राजा के विरुद्ध बलवा करोगे? तब मैं ने उन को उत्तर देकर उन से कहा, स्वर्ग का परमेश्वर हमारा काम सफल करेगा, इसलिये हम उसके दास कमर बान्धकर बनाएंगे; परन्तु यरूशलेम में तुम्हारा न तो कोई भाग, न हक्क, न स्मारक है।

## 5. नहेमायाह 4: 6-9, 16 (से *5th* ,), 17, 21 (से :), 21 (से)

6 और हम लोगों ने शहरपनाह को बनाया; और सारी शहरपनाह आधी ऊंचाई तक जुड़ गई। क्योंकि लोगों का मन उस काम में नित लगा रहा।
7 जब सम्बल्लत और तोबियाह और अरबियों, अम्मोनियों और अशदोदियों ने सुना, कि यरूशलेम की शहरपनाह की मरम्मत होती जाती है, और उस में के नाके बन्द होने लगे हैं, तब उन्होंने बहुत ही बुरा माना;
8 और सभों ने एक मन से गोष्ठी की, कि जा कर यरूशलेम से लड़ें, और उस में गड़बड़ी डालें।
9 परन्तु हम लोगों ने अपने परमेश्वर से प्रार्थना की, और उनके डर के मारे उनके विरुद्ध दिन रात के पहरुए ठहरा दिए।
17 शहरपनाह के बनाने वाले और बोझ के ढोने वाले दोनों भार उठाते थे, अर्थात एक हाथ से काम करते थे और दूसरे हाथ से हथियार पकड़े रहते थे।
21 यों हम काम में लगे रहे, ...तारों के निकलने तक बछियाँ लिये।

## 6. नहेमायाह 6: 1 (से *1st* ;), 2, 3, 5, 6 (से *4th* ,), 7 (आना), 8, 11 (से *1st* ?), 12 (से ;), 15, 16

1 जब सम्बल्लत, तोबियाह और अरबी गेशेम और हमारे और शत्रुओं को यह समाचार मिला, कि मैं शहरपनाह को बनवा चुका; और यद्यपि उस समय तक भी मैं फाटकों में पल्ले न लगा चुका था, तौभी शहरपनाह में कोई दरार न रह गया था।

2 तब सम्बल्लत और गेशेम ने मेरे पास यों कहला भेजा, कि आ, हम ओनो के मैदान के किसी गांव में एक दूसरे से भेंट करें। परन्तु वे मेरी हानि करने की इच्छा करते थे।
3 परन्तु मैं ने उनके पास दूतों से कहला भेजा, कि मैं तो भारी काम में लगा हूँ, वहां नहीं जा सकता; मेरे इसे छोड़ कर तुम्हारे पास जाने से वह काम क्यों बन्द रहे?
5 तब पांचवी बार सम्बल्लत ने अपने सेवक को खुली हुई चिट्ठी देकर मेरे पास भेजा,
6 जिस में यों लिखा था, कि जाति जाति के लोगों में यह कहा जाता है, और गेशेम भी यही बात कहता है, कि तुम्हारी और यहूदियों की मनसा बलवा करने की है, और इस कारण तू उस शहरपनाह को बनवाता है; और तू इन बातों के अनुसार उनका राजा बनना चाहता है।
7 इसलिये अब आ, हम एक साथ सम्मति करें।
8 तब मैं ने उसके पास कहला भेजा कि जैसा तू कहता है, वैसा तो कुछ भी नहीं हुआ, तू ये बातें अपने मन से गढ़ता है।
11 परन्तु मैं ने कहा, क्या मुझ ऐसा मनुष्य भागे?
12 फिर मैं ने जान लिया कि वह परमेश्वर का भेजा नहीं
15 एलूल महीने के पच्चीसवें दिन को अर्थात बावन दिन के भीतर शहरपनाह बन चुकी।
16 जब हमारे सब शत्रुओं ने यह सुना, तब हमारे चारों ओर रहने वाले सब अन्यजाति डर गए, और बहुत लज्जित हुए; क्योंकि उन्होंने जान लिया कि यह काम हमारे परमेश्वर की ओर से हुआ।

## 7. भजन संहिता 37: 1-6, 9

1 कुकर्मियों के कारण मत कुढ़, कुटिल काम करने वालों के विषय डाह न कर!
2 क्योंकि वे घास की नाईं झट कट जाएंगे, और हरी घास की नाईं मुर्झा जाएंगे।
3 यहोवा पर भरोसा रख, और भला कर; देश में बसा रह, और सच्चाई में मन लगाए रह।
4 यहोवा को अपने सुख का मूल जान, और वह तेरे मनोरथों को पूरा करेगा॥
5 अपने मार्ग की चिन्ता यहोवा पर छोड़; और उस पर भरोसा रख, वही पूरा करेगा।
6 और वह तेरा धर्म ज्योति की नाईं, और तेरा न्याय दोपहर के उजियाले की नाईं प्रगट करेगा॥
9 क्योंकि कुकर्मी लोग काट डाले जाएंगे; और जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वही पृथ्वी के अधिकारी होंगे।

## 8. इफिसियों 6: 10-13

10 निदान, प्रभु में और उस की शक्ति के प्रभाव में बलवन्त बनो।
11 परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो; कि तुम शैतान की युक्तियों के साम्हने खड़े रह सको।
12 क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लोहू और मांस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।
13 इसलिये परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो, कि तुम बुरे दिन में साम्हना कर सको, और सब कुछ पूरा करके स्थिर रह सको।

## विज्ञान और स्वास्थ्य

### 1. 228: 25 (वहाँ)-27

ईश्वर के अलावा कोई शक्ति नहीं है। सर्वशक्तिमान के पास ही सारी शक्ति है, और किसी दूसरी शक्ति को मानना ईश्वर का अनादर करना है।

### 2. 103: 15-23 (से *1st* .)

अधिकतम अच्छाई अनंत भगवान और उनके विचार, सभी में है। बुराई एक झूठ है।

जैसा कि क्राइस्टियन साइंस में नाम दिया गया है, पशु चुंबकत्व या हिप्नोटिज्म त्रुटि, या नश्वर मन के लिए विशिष्ट शब्द है। यह गलत धारणा है कि मन पदार्थ में है, और यह बुराई और अच्छा दोनों है; यह बुराई उतनी ही वास्तविक है जितनी अच्छी और अधिक शक्तिशाली। इस विश्वास में सत्य का एक गुण नहीं है।

### 3. 102: 2 (ईश्वर)-8, 16-23, 30 (मानवता)-9

क्योंकि भगवान सभी को नियंत्रित करता है जो वास्तविक, सामंजस्यपूर्ण और शाश्वत है, और उनकी शक्ति न तो पशु है और न ही मानव। विज्ञान पशु चुंबकत्व, मेस्मेरिज्म, या हिप्नोटिज्म में एक विश्वास और इस विश्वास जानवर होने का आधार एक नकारात्मकता है, जिसमें न तो बुद्धि, शक्ति, न ही वास्तविकता है, और इस अर्थ में यह तथाकथित नश्वर मन की एक अवास्तविक अवधारणा है।

पशु चुंबकत्व के हल्के रूप गायब हो रहे हैं, और इसकी आक्रामक विशेषताएं सामने आ रही हैं। अपराध के करघे, नश्वर विचार के अंधेरे अवकाश में छिपे हुए हैं, हर घंटे बुनाई जाले अधिक जटिल और सूक्ष्म हैं। इसलिए रहस्य पशु चुंबकत्व की वर्तमान विधियां हैं कि वे उम्र को अकर्मण्यता में बदल देते हैं, और उस विषय पर बहुत उदासीनता उत्पन्न करते हैं जो आपराधिक इच्छा करता है।

मानव जाति को सीखना चाहिए कि बुराई शक्ति नहीं है। इसकी तथाकथित निरंकुशता है, लेकिन कुछ भी नहीं है। क्रिश्चियन साइंस बुराई के साम्राज्य को दूर करता है, और पूर्व में परिवारों में और इसलिए समुदाय में स्नेह और सदाचार को बढ़ावा देता है। प्रेरित पौलुस बुराई के अवतार को "इस दुनिया के देवता" के रूप में संदर्भित करता है, और आगे इसे बेईमानी और चालाकी के रूप में परिभाषित करता है। पाप असीरियन चंद्रमा-देवता था।

विज्ञान के माध्यम से नश्वर मन के दावों का विनाश, जिससे मनुष्य पाप और मृत्यु दर से बच सकता है, पूरे मानव परिवार को आशीर्वाद देता है।

### 4. 104: 13-18

क्रिश्चियन साइंस मानसिक क्रिया के तह तक जाता है, और उस थोडीसी को प्रकट करता है, जो सभी दिव्य क्रियाओं के सही होने का संकेत देता है, जैसा कि ईश्वरीय मन की मुक्ति है, और इसके विपरीत तथाकथित गलत क्रिया के कारण, — बुराई, मनोगतवाद, काला जादू, मंत्रमुग्धता, पशु चुंबकत्व, सम्मोहन।

### 5. 105: 22-29

जो कोई भी अपनी विकसित मानसिक शक्तियों का उपयोग भागे हुए अपराधी की तरह ताजा अत्याचार करने के लिए करता है जैसे अवसर मिलता है वह कभी भी सुरक्षित नहीं होता है। भगवान उसे गिरफ्तार कर लेंगे। ईश्वरीय न्याय उसे संभाल लेगा। उसके पाप उसकी गर्दन के चारों ओर चक्की के पाट होंगे, जो उसे अपमान और मृत्यु की गहराई तक तौलेंगे। त्रुटि का बढ़ना उसके विनाश की भविष्यवाणी करता है, और प्राचीन स्वयंसिद्ध की पुष्टि करता है: "जिसे देवता नष्ट करते हैं, वे पहले पागल करते हैं।"

### 6. 449: 19-28

बुरे साथियों का हानिकारक प्रभाव दिखाई कम देता है, महसूस ज़्यादा होता है। बुरे विचारों के मन में प्रवेश करने की प्रक्रिया को समझना चाहिए और उससे सावधान रहना चाहिए। किसी व्यक्ति के प्रति मन में बनने वाली पहली धारणा—चाहे वह आकर्षण की हो या विकर्षण की—उस व्यक्ति के चरित्र को पहचानने का एक अच्छा ज़रिया है। कुछ लोग एक-दूसरे से मिलते तो हैं, लेकिन तुरंत ही उनमें आपसी अरुचि पैदा हो जाती है और वे अलग हो जाते हैं। ऐसे लोग बिना किसी पूर्व घटना या विवाद के ही एक-दूसरे के दुश्मन बन जाते हैं। बुरे लोग बुरे लोगों के साथ ही सहज महसूस करते हैं। केवल सदाचार ही बुराई को चुनौती दे सकता है।

### 7. 234: 9-16, 25-3

हमें बुराई की तुलना में अच्छाई से अधिक परिचित होना चाहिए, और झूठी मान्यताओं से उसी तरह सतर्क रहना चाहिए जैसे हम चोरों और हत्यारों के सामने अपने दरवाजे बंद कर लेते हैं। हमें अपने शत्रुओं से प्रेम करना चाहिए और स्वर्णिम नियम के आधार पर उनकी सहायता करनी चाहिए; परन्तु उन लोगों के सामने मोती फेंकने से बचें जो उन्हें पैरों तले रौंदते हैं, जिससे वे स्वयं और दूसरों दोनों को लूटते हैं।

प्रकट होने से पहले पाप और बीमारी के बारे में सोचा जाना चाहिए। आपको पहले उदाहरण में बुरे विचारों को नियंत्रित करना होगा, या वे दूसरे में आपको नियंत्रित करेंगे। यीशु ने घोषित किया कि निषिद्ध वस्तुओं पर इच्छा के साथ देखना एक नैतिक अवधारणा को तोड़ना था। उन्होंने मानव मन की क्रिया पर बहुत जोर दिया, इंद्रियों को अनदेखा किया।

बुराई के विचार और उद्देश्य किसी भी हद तक नहीं पहुंचते हैं और किसी के विश्वास परमिट से अधिक नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। बुराई के विचार, वासना और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्य आगे नहीं बढ़ सकते हैं, जैसे पराग को भटकाना, एक मानव मन से दूसरे में, असुरक्षित पोजिशन ढूंढना, अगर सद्गुण और सत्य एक मजबूत रक्षा का निर्माण करते हैं।

### 8. 571: 15-21

हर समय और सभी परिस्थितियों में, अच्छाई के साथ बुराई को दूर करें। अपने आप को जानें, और ईश्वर ज्ञान और बुराई पर विजय के अवसर की आपूर्ति करेगा। प्यार की कशमकश में जकड़े, मानवीय घृणा आप तक नहीं पहुंच सकती। एक उच्च मानवता का सीमेंट एक देवत्व में सभी हितों को एकजुट करेगा।

### 9. 464: 23-24

कट्टरता, अज्ञान और ईर्ष्या के हथियार एक ईमानदार दिल के सामने टिक नहीं पाते।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

**10. 442: 16-22**

'क्रिश्चियन साइंस' की पद्धति में न तो एनिमल मैग्नेटिज्म का कोई स्थान है और न ही सम्मोहन का। इसमें सत्य को पलटा नहीं जा सकता, लेकिन त्रुटि को पलटने पर सत्य सामने आता है। एक बार बेहतर हो जाने पर, विश्वास वापस पहले जैसी खराब स्थिति में नहीं जा सकता। जब मसीह पाप या बीमारी से जुड़े विश्वास को एक बेहतर विश्वास में बदल देते हैं, तो वह विश्वास आध्यात्मिक समझ में विलीन हो जाता है, और पाप, बीमारी तथा मृत्यु का अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

**11. 96: 12-20, 31-4**

यह भौतिक दुनिया अब भी परस्पर विरोधी ताकतों के लिए अखाड़ा बन रही है। एक तरफ कलह और निराशा होगी; दूसरी तरफ विज्ञान और शांति होगी। भौतिक विश्वासों का टूटना अकाल और महामारी, चाहत और शोक, पाप, बीमारी और मृत्यु के रूप में प्रतीत हो सकता है, जो तब तक नए चरणों को मानते हैं जब तक कि उनका कुछ भी दिखाई नहीं देता। ये गड़बड़ी त्रुटि के अंत तक जारी रहेगी, जब सभी कलह को आध्यात्मिक सत्य में निगल लिया जाएगा।

इस अंतिम संघर्ष के दौरान, दुष्ट दिमाग ऐसे साधनों को खोजने का प्रयास करेगा जिनके द्वारा अधिक बुराई को पूरा किया जा सके; लेकिन जो लोग क्रिश्चियन साइंस को समझते हैं, वे अपराध को रोकेंगे। वे त्रुटि की अस्वीकृति में सहायता करेंगे। वे कानून और व्यवस्था बनाए रखेंगे और आनंदपूर्वक परम पूर्णता की निश्चितता का इंतजार करेंगे।

**12. 442: 30-32**

क्रिश्चियन वैज्ञानिक, अपने लिए यह नियम बना लें कि मानसिक कदाचार आपको न तो सोते समय और न ही जागते समय कोई नुकसान पहुँचा सकता है।

**13. 473 : 7-10**

ईश्वर-तत्त्व सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान है। ईश्वर हर जगह है, और उसके बिना कुछ भी मौजूद नहीं है या उसकी कोई शक्ति नहीं है।

## दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

## दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन

सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

## उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठीसुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

## कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।